कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (87) खण्ड - {173}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें .....

प्रश्न 1- स्वर्ग गुम कैसे होता है ?

A- देह अभिमान आने से

B- रावण राज्य से

C- अर्थक्वेक से

D- द्वारिका अथवा लंका पानी के नीचे चली जाने से

प्रश्न 2- किस का पार्ट भी सिर्फ संगम समय का है ?

A- ब्रह्मा

B- शिवबाबा

C- विष्णु

D- शंकर

प्रश्न 3- ब्राह्मण - ब्राह्मणियां हैं -

A- ब्रह्मा की रचना

B- शिव की रचना

C- संगमयुग पर शिवबाबा की रचना

D- शिव बाबा और ब्रह्मा बाबा की रचना

प्रश्न 4- खान-पान मनुष्यों का यहाँ कैसा हो गया है ?

A- गन्दा

B- पतित

C- अशुद्ध

D- जानवरों मिसल है

प्रश्न 5- कलियुग है -

A- शोक की होटल है

B- बेहद की लंका

C- कब्रिस्तान है

D- पतित दुनिया

प्रश्न 6- संन्यासी लोग भी कहते हैं -

A- विकार छोड़ो

B- कलयुग का अंत है

C- ज्ञान भक्ति वैराग्य

D- हम सो सो हम

प्रश्न 7- दुश्मन को भी दोस्त बना दो-

A- आत्मिक दृष्टि से

B- वरदानी बोल से

C- शुभ भावना से

D- रूहानी स्नेह से

प्रश्न 8- विश्व के नव निर्माण के लिए दो शब्द -

A- इकनॉमी और एका नामी

B- निमित्त और निर्मान

C- शुभ भावना शुभ कामना

D- स्व कल्याण से विश्व कल्याण

प्रश्न 9- बाप के साथ ऐसा योग रखना है, जिससे -

A- बुद्धि सदा परमधाम में टिकी रहे

B- साइलेन्स का बल जमा हो

C- आत्मा सच्चा सोना बन जाये

D- एक बाप के सिवाय कुछ भी याद न आए

प्रश्न 10- किस का नाम-निशान गुम कर दिया है ?

A- ब्राह्मणों का

B- ब्राह्मणों को पढ़ाने वाले बाप का

C- लक्ष्मी-नारायण का

D- A और B

प्रश्न 11- विवेक कहता है - भल कोई कितनी भी बड़े ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो पर-

A- ऐसा ज्ञान मिल न सके

B- एकदम रोमांच खड़े हो जाने चाहिए। ऊँच ते ऊंच बाप पढ़ाते हैं

C- फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।

D- वह सब अल्पकाल के लिये ही है

प्रश्न 12- लाइट का ताज है ?

A- मनमनाभव

B- मध्याजी भव

C- संगमयुग का

D- उड़ती कला की निशानी

प्रश्न 13- समस्याएं कब कम हो जाएंगी -

A- समाधान स्वरूप बनने से

B- निमित्त भाव से

C- अपनी इच्छाएं कम करने से

D- शांति की शक्ति धारण करने से

प्रश्न 14- सुक्ष्मवतन में ब्रह्मा विष्णु शंकर इन तीनों में से वास्तव में कौन बोल सकते हैं -

A- ब्रह्मा

C- विष्णु

B- शंकर

D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 15- कहां संन्यासी ही संन्यासी हैं ?

A- काशी में

B- हिमालय में

C- अजमेर में

D- हरिद्वार में

प्रश्न 16- हर एक चित्र में, हर एक लिखत में क्या जरूर लिखना है ?

A- त्रिमूर्ति शिव

B- देही-अभिमानी बनो

C- शिवबाबा ऐसे समझाते हैं

D- गेटवे टू हेविन

भाग (87) खण्ड {173} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अर्थक्वेक से*

विनाश के समय नैचुरल कैलेमिटीज भी आती है। विनाश तो होना ही है, कलियुग के बाद फिर सतयुग होगा। इतने सब शरीरों का विनाश तो होना ही है। सब कुछ प्रैक्टिकल में चाहिए ना। सिर्फ आंख खोलने से थोड़ेही हो सकता। *जब स्वर्ग गुम होता है तो उस समय भी अर्थक्वेक आदि होती हैं।*

उत्तर 2- *A.ब्रह्मा*

सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। 84 जन्मों का विराट रूप भी विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का। विराट रूप विष्णु का ही बनाते हैं क्योंकि पहले-पहले प्रजापिता ब्रह्मा का नाम धरते हैं। ब्रह्मा का तो बहुत थोड़ा पार्ट है इसलिए विराट रूप विष्णु का दिखाते हैं। *ब्रह्मा का पार्ट भी बहुत थोड़ा है इस समय का।*

उत्तर 3- *A.ब्रह्मा की रचना*

सारे झाड़ का बीज रूप है शिवबाबा। उनकी रचना को सालिग्राम कहेंगे। *ब्रह्मा की रचना को ब्राह्मण-ब्राह्मणियां कहेंगे।* अब जितनी शिव की रचना है उतनी ब्रह्मा की नहीं। शिव की रचना तो बहुत है। सभी आत्मायें उनकी औलाद हैं। ब्रह्मा की रचना तो सिर्फ तुम ब्राह्मण ही बनते हो।

उत्तर 4- *D.जानवरों मिसल है*

सतयुग को कहा जाता है अशोक वाटिका। वहाँ कोई शोक होता नहीं। इस समय तो शोक ही शोक है। अशोक एक भी नहीं रहता। नाम तो रख देते हैं अशोका होटल। बाप कहते हैं सारी दुनिया इस समय बेहद की होटल ही समझो। *खान-पान मनुष्यों का जानवरों मिसल है।*

उत्तर 5- *A.शोक की होटल है*

तुमको अब रावण राज्य से बाप छुड़ाते हैं। यह है शोक वाटिका। सतयुग को कहा जाता है अशोक वाटिका। वहाँ कोई शोक होता नहीं। इस समय तो शोक ही शोक है। अशोक एक भी नहीं रहता। नाम तो रख देते हैं अशोका होटल। बाप *कहते हैं सारी दुनिया इस समय बेहद की होटल ही समझो। शोक की होटल है।*

उत्तर 6- *C.ज्ञान भक्ति वैराग्य*

बाप पूछते हैं मैं तुमको विषय सागर से निकाल पार ले जाता हूँ, फिर तुम विषय सागर में क्यों फँस जाते हो? भक्ति मार्ग में तुम्हारा यह हाल हुआ है। ज्ञान, भक्ति तुम्हारे लिए है। *संयासी लोग भी कहते हैं ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।* परन्तु उनका अर्थ वह नहीं समझते। अब तुम्हारी बुद्धि में है ज्ञान, भक्ति बाद में वैराग्य।

उत्तर 7- *D.रुहानी स्नेह से*

यह मान देवे तो मैं मान दूँ-यह भी रॉयल भिखारीपन है, इसमें निष्काम योगी बनो। *रूहानी स्नेह की वर्षा से दुश्मन को भी दोस्त बना दो।* आपके सामने कोई पत्थर भी फेकें तो भी आप उसे रत्न दो क्योंकि आप रत्नागर बाप के बच्चे हो।

उत्तर 8- *B.निमित्त और निर्मान*

स्लोगन:- *विश्व का नव-निर्माण करने के लिए दो शब्द याद रखो - निमित्त और निर्मान।*

उत्तर 9- *B.साइलेन्स का बल जमा हो*

योगबल क्या चीज़ है, जिससे तुम विश्व पर विजय पाते हो और कोई थोड़ेही जानते। बोलो, साइंस तुम्हारा ही विनाश करती है। हमारा बाप के साथ योग है तो उस साइलेन्स के बल से हम विश्व पर जीत पाकर सतोप्रधान बन जाते हैं। *बाप के साथ ऐसा योग रखना है जिससे साइलेन्स का बल जमा हो।* साइलेन्स बल से विश्व पर जीत पानी है, पतित से पावन बनना है।

उत्तर 10- *D. A और B*

यह तो बहुत सहज समझने की बात है। तुम्हारे चित्र भी हैं, विराट रूप का चित्र भी बनाया है। 84 जन्मों की कहानी दिखाई है। हम सो देवता फिर क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र बनते हैं। यह कोई भी मनुष्य नहीं जानते *क्योंकि ब्राह्मण और ब्राह्मणों को पढ़ाने वाले बाप का, दोनों का नाम-निशान गुम कर दिया है।*

उत्तर 11- *C.फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।*

स्कूल में पढ़ने वाले जानते हैं टीचर आया। यहाँ कौन आया है? एकदम रोमांच खड़े हो जाने चाहिए। ऊंच ते ऊंच बाप फिर से पढ़ाने आये हैं। समझने की बात है ना! तकदीर की भी बात है। पढ़ाने वाला कौन है? भगवान। वह आकर पढ़ाते हैं। विवेक कहता है - *भल कोई कितनी भी बड़े ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो, फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।*

उत्तर 12- *A.मनमनाभव*

तुम जानते हो हम ऊंच ते ऊंच बाप के हैं। वह हमको डबल सिरताज राजाओं का राजा बनाते हैं। *लाइट का ताज मनमनाभव* और रतन जड़ित ताज

मध्याजीभव। निश्चय हो जाता है हम इस पढ़ाई से विश्व का मालिक बनते हैं, 5 हज़ार वर्ष बाद हिस्ट्री रिपीट होती है ना। तुमको राजाई मिलती है।

उत्तर 13- *C.अपनी इच्छाएं कम करने से*

स्लोगन:- *अपनी इच्छाओं को कम कर दो तो समस्यायें कम हो जायेंगी।*

उत्तर 14- *D.इनमें से कोई नहीं*

बाप तो स्थापना और विनाश दोनों कराते हैं। होता है सब ड्रामा अनुसार ही। ब्रह्मा बोल सकते, विष्णु बोल सकते हैं? *सूक्ष्मवतन में क्या बोलेंगे। यह सब समझने की बातें हैं।* यहाँ तुम समझकर फिर ट्रांसफर होते हो, ऊपर क्लास में।

उत्तर 15- *D.हरिद्वार में*

बाप ब्रह्मा को भी एडाप्ट करते हैं। नहीं तो शरीर वाली चीज़ आई कहाँ से। ब्राह्मण इन बातों को समझेंगे, संयासी नहीं समझेंगे। अजमेर में ब्राह्मण होते हैं और *हरिद्वार में संन्यासी ही संन्यासी हैं।* पण्डे ब्राह्मण होते हैं। परन्तु वह तो भूखे होते हैं। बोलो तुम अभी जिस्मानी पण्डे हो। अब रूहानी पण्डे बनो।

उत्तर 16- *C.शिवबाबा ऐसे समझाते हैं*

बाप ने समझाया है और धर्म स्थापक सिर्फ अपना धर्म स्थापन करने आते हैं, उनको पैगम्बर वा मैसेन्जर आदि कुछ भी नहीं कह सकते। यह भी बड़ा युक्ति से लिखना है। शिवबाबा बच्चों को समझा रहे हैं - बच्चे तो सब हैं ऑल ब्रदर्स। तो *हर एक चित्र में, हर एक लिखत में यह जरूर लिखना है - शिवबाबा ऐसे समझाते हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (87) खण्ड - {174}

प्रश्न 1- बाप के प्यार की पालना का प्रैक्टिकल स्वरूप है -

A- सदा खुशनुमा जीवन

B- सदा निर्विघ्न जीवन

C- सदा सफलता मूर्त

D- सहजयोगी जीवन

प्रश्न 2- बाबा है पाण्डवों का -

A- शिरोमणी

B- राजा

C- हीरो

D- सिरमौर

प्रश्न 3- किस कारण बच्चों में मोह भी है,विकार भी बहुत हैं ?

A- तमोप्रधानता के

B- रावण के

C- माया के

D- देह-अभिमान के

प्रश्न 4- इस ड्रामा में सबसे अधिक कल्याण किस का होता है ?

A- जिन्हें बाप पर पूरा निश्चय है

B- अपार खुशी में रहते हैं उनका

C- जो बाप की याद में रहते हैं

D- जो हर कदम श्रीमत पर चलते

प्रश्न 5- कब आने वाली मुश्किलातें सहज अनुभव होंगी ?

A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्रय से

B- हर बात प्रभू अर्पण कर दो तो

C- जो भी सेवा करते हो उसे विश्व कल्याण के लिए अर्पित करते चलो

D- महादानी बनो तो

प्रश्न 6- बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से क्या करना है ?

A- ज्ञान धारण कर सबको सुनाना है।

B- ऊंच पद के लिए इस पढ़ाई में लग जाना है।

C- कुसंग से किनारा कर एक सत का संग करना है।

D- सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।

प्रश्न 7- सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

A- सदा ऊंची रूहानी सेवा करना

B- ज्ञान देकर दैवी सम्प्रदाय का बनाना

C- पढ़ाई पढ़ना

D- सर्व प्रति आत्मा भाई भाई की दृष्टि रखना

प्रश्न 8- देवता बनते ही हैं -

A- गुणों की धारणा से

B- नॉलेज से

C- याद से

D- याद और सेवा से

प्रश्न 9- कब आने वाली मुश्किलातें सहज अनुभव होंगी ?

A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्रय से

B- हर बात प्रभू अर्पण कर दो तो

C- जो भी सेवा करते हो उसे विश्व कल्याण के लिए अर्पित करते चलो

D- महादानी बनो तो

प्रश्न 10- बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से क्या करना है ?

A- ज्ञान धारण कर सबको सुनाना है।

B- ऊंच पद के लिए इस पढ़ाई में लग जाना है।

C- कुसंग से किनारा कर एक सत का संग करना है।

D- सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।

प्रश्न 11- सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

A- सदा ऊंची रूहानी सेवा करना

B- ज्ञान देकर दैवी सम्प्रदाय का बनाना

C- पढ़ाई पढ़ना

D- सर्व प्रति आत्मा भाई भाई की दृष्टि रखना

प्रश्न 12- देवता बनते ही हैं -

A- गुणों की धारणा से

B- नॉलेज से

C- याद से

D- याद और सेवा से

प्रश्न 13- अपनी सतोप्रधान तकदीर बनाने के लिए -

A- याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो

B- देही-अभिमानी बनो

C- पढ़ाई पर ध्यान दो

D- बाप कहते हैं बच्चे पावन बनो

प्रश्न 14- किनकी स्थिति स्वतः और सहज एकरस हो जाती है ?

A- जो हर सेवा निमित्त भाव से करते

B- सोचनों-बोलना और करना तीनों को एक समान हो तो

C- जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई

D- जो सर्व संबंध एक बाप से ही रखते

प्रश्न 15- कौन ही रेसपान्सिबुल है अपने को गिराने और सबको गिराने ?

A- देवी-देवतायें

B- भारत

C- हम ब्राह्मण

D- A और C

प्रश्न 16- एक ही बाप है जो सदैव के लिए क्या बनाने आये हैं ?

A- पद्म भाग्यशाली

B- सौभाग्यशाली

C- जीवन को सुखी

D- माया से मुक्त

भाग (87) खण्ड {174} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.सहजयोगी जीवन*

बाप का बच्चों से इतना प्यार है जो अमृतवेले से ही बच्चों की पालना करते हैं। दिन का आरम्भ ही कितना श्रेष्ठ होता है! स्वयं भगवन मिलन मनाने के लिये बुलाते हैं, रुहरिहान करते हैं, शक्तियाँ भरते हैं! बाप की मोहब्बत के गीत आपको उठाते हैं। कितना स्नेह से बुलाते हैं, उठाते हैं - मीठे बच्चे, प्यारे बच्चे, आओ.....। तो *इस प्यार की पालना का प्रैक्टिकल स्वरूप है 'सहज योगी जीवन'।*

उत्तर 2- *D.सिरमौर*

तुम्हारा भी नाम पण्डा है। पाण्डव सेना को भी समझते नहीं हैं। *बाबा है पाण्डवों का सिरमौर।* कहते हैं हे बच्चे मामेकम् याद करो तो विकर्म विनाश होंगे और चले जायेंगे अपने घर। फिर बड़ी यात्रा होगी अमरपुरी की। मूलवतन की कितनी बड़ी यात्रा होगी। सबकी सब आत्मायें जायेंगी।

उत्तर 3- *D.देह-अभिमान के*

तुम बच्चों को ही बाप ने आकर समझाया है, आत्मा का रियलाइजेशन दिया है। आगे यह पता नहीं था कि आत्मा क्या है, परमात्मा क्या है! इसलिए *देह-अभिमान के कारण बच्चों में मोह भी है, विकार भी बहुत हैं।* भारत कितना ऊंच था। विकार का नाम भी नहीं था। वह था वाइसलेस भारत, अभी है विशश भारत।

उत्तर 4- *C.जो बाप की याद में रहते हैं*

मीठे बच्चे - कदम-कदम पर जो होता है वह कल्याणकारी है, *इस ड्रामा में सबसे अधिक कल्याण उनका होता है जो बाप की याद में रहते हैं।* एक-एक दिन जास्ती कल्याणकारी उनका है जो बाप को अच्छी रीति याद कर अपना भी कल्याण करते रहते हैं। यह है ही कल्याणकारी पुरुषोत्तम बनने का युग।

उत्तर 5- *A.रमेश भाई*

इन्द्रप्रस्थ की कहानी भी है ना। नीलम परी, पुखराज परी नाम है ना। तुम्हारे में भी कोई हीरे जैसा रत्न है। *देखो रमेश ने ऐसी बात निकाली प्रदर्शनी की जो सबका विचार सागर मंथन हुआ।* तो हीरे जैसा काम किया ना। कोई पुखराज है, कोई क्या है! कोई तो बिल्कुल कुछ नहीं जानते।

उत्तर 6- *B.जो काम पर जीत पाएंगे वही जगतजीत बनेंगे*

बाबा कहते हैं बच्चे तुम मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जायेंगे। तुम्हें विकारों पर जीत पानी है। *बाप ने ऑर्डीनेन्स निकाला है, जो काम पर जीत पायेंगे वही जगतजीत बनेंगे।* पीछे आधाकल्प बाद फिर वाम मार्ग में गिरते हैं। उन्हों के भी चित्र हैं। शक्ल देवताओं की बनी हुई है। राम राज्य और रावण राज्य आधा-आधा है।

उत्तर 7- *C.मनमनाभव स्थिति में स्थित होना*

हद की कामनाओं से परे निष्काम सेवा करना - इसको कहा जाता है ईश्वरीय वा रूहानी सेवा। *मुख के साथ मन द्वारा सेवा करना अर्थात् मनमनाभव स्थिति में स्थित होना।*

उत्तर 8- *B.सेवा*

ब्राह्मण जीवन सेवा का जीवन है। *माया से जिंदा रखने का श्रेष्ठ साधन सेवा है।* सेवा योगयुक्त बनाती है लेकिन सिर्फ मुख की सेवा नहीं, सुने हुए मधुर बोल का स्वरूप बन सेवा करना, नि:स्वार्थ सेवा करना, त्याग, तपस्या स्वरूप से सेवा करना, हद की कामनाओं से परे निष्काम सेवा करना - इसको कहा जाता है ईश्वरीय वा रूहानी सेवा।

उत्तर 9- *B.हर बात प्रभु अर्पण कर दो तो*

स्लोगन:- *हर बात प्रभू अर्पण कर दो तो आने वाली मुश्किलातें सहज अनुभव होंगी।*

उत्तर 10- *D.सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है*

गाया भी जाता है सतगुरू तारे, बाप को कहा जाता है सचखण्ड की स्थापना करने वाला सच्चा बाबा। झूठ खण्ड स्थापन करने वाला है रावण। *बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।*

उत्तर 11- *A.सदा ऊंची रुहानी सेवा करना*

सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य है सदा ऊंची रूहानी सेवा करना। यहाँ बैठे वा चलते-फिरते खास भारत और आम सारे विश्व को पावन बनाना, तुम बच्चे सर्वोत्तम ऊंच कुल वाले हो। ऊंच रूहानी सेवा करते हो। यहाँ बैठे वा चलते फिरते तुम भारत की खास और विश्व की आम सेवा करते हो। विश्व को तुम पवित्र बनाते हो। तुम हो बाप के मददगार।

उत्तर 12- *B.नॉलेज से*

बाकी थोड़ा टाइम है पढ़ाई का। जरूर अनेक धर्मों का विनाश होने बाद श्रीकृष्ण का जन्म हुआ होगा। सो भी एक श्रीकृष्ण तो नहीं, सारी श्रीकृष्णपुरी होगी। यह ब्राह्मण ही हैं जो फिर यह राजयोग सीख देवता पद पायेंगे। *देवतायें बनते ही हैं नॉलेज से।* बाप आकर मनुष्य से देवता बनाते हैं - पढ़ाई से।

उत्तर 13- *A.याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो*

मीठे बच्चे - *अपनी सतोप्रधान तकदीर बनाने के लिए याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो,* सदा याद रहे मैं आत्मा हूँ, बाप से पूरा वर्सा लेना है।

उत्तर 14- *C.जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई*

*जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई.....उनकी स्थिति स्वत: और सहज एकरस

हो जाती है।* इसी दृढ़ संकल्प से सर्व सम्बन्धों की अविनाशी तार जुड़ जाती है और उन्हें सदा अविनाशी भव, अमर भव का वरदान मिल जाता है। दृढ़ संकल्प करने से पुरुषार्थ में भी विशेष रूप से लिफ्ट मिलती है।

उत्तर 15- *B. भारत*

विलायत वाले भी सर्वव्यापी कहना भारतवासियों से सीखे हैं। भारत गिरा है, तो सब गिरे हैं। *भारत ही रेसपान्सिबुल है अपने को गिराने और सबको गिराने।* बाप कहते हैं मैं भी यहाँ ही आकर भारत को स्वर्ग सचखण्ड बनाता हूँ। ऐसा स्वर्ग बनाने वाले की कितनी ग्लानि कर दी है।

उत्तर 16- *C.जीवन को सुखी*

मनुष्य ओम् का वा कृष्ण आदि का चित्र भी लगाते हैं याद के लिए। यह तो है नये ते नई याद। यह सिर्फ बेहद का बाप ही समझाते हैं। इस समझने से तुम

सौभाग्यशाली तो क्या पदम भाग्यशाली बनते हो। बाप को न जानने कारण, याद न करने कारण कंगाल बन गये हैं। *एक ही बाप है जो सदैव के लिए जीवन को सुखी बनाने आये हैं।*